KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 1

ईंटें, मनकें तथा अस्थियां
हड़प्पा सभ्यता

भाग - 5

मुहरें, लिपि, बांट, सत्ता

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. सामाजिक भिन्नताओं के बारे में कैसे पता चलता है?

a) मुहर c) सावधान

b) बाट d) कुहे

mg

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भावचित्रात्मक

चित्र

लिपि

- दाईं से बाईं ओर
- अपठित
- 375 – 400

लिपि (रहस्यमय) :-



एक प्राचीन सूचनापट्ट

- हड़प्पाई मुहरों में एक पंक्ति में लिखा हुआ संभवतः मालिक के नाम व पद्वी को दर्शाता है।
- इस पर बना चित्र (आमतौर पर जानवर का) अनपढ़ लोगों को सांकेतिक रूप से इसका अर्थ बताता था।
- अधिकांश अभिलेख संक्षिप्त है : सबसे लंबे अभिलेख में 26 चिन्ह हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- हालांकि यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है परनतु यह वर्णमालीय नहीं लगती क्योंकि इसमें चिन्ह अधिक हैं। (375 से 400 के बीच) वर्णमालीय (जहां स्वर व व्यंजन के चिन्ह होते हैं)

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. दाईं से बाईं ?



यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती होगी क्योंकि दाईं ओर चौड़ा अंतराल है तथा बाईं ओर यह संकुचित है।

लिखावटें :- मुहरों पर, ताँबे के औजारों पर, मर्तबानों के अंवठ पर, तांबे व मिट्टी की आभूषणों तथा अस्थि छड़ों पर, एक प्राचीन सूचना पट्टे पर मिली हैं।

अतः साक्षरता व्यापक थी।

KOLORS®
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. पुरातत्वावेदों को हड़प्पा की लिपि के बारे में क्या जानकारी प्राप्त है?

- अपठित
- सर्पीलाकार
- दाई-बार
- मुहर, मृदभाण्डों

- 375-400

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापारी → शहरी

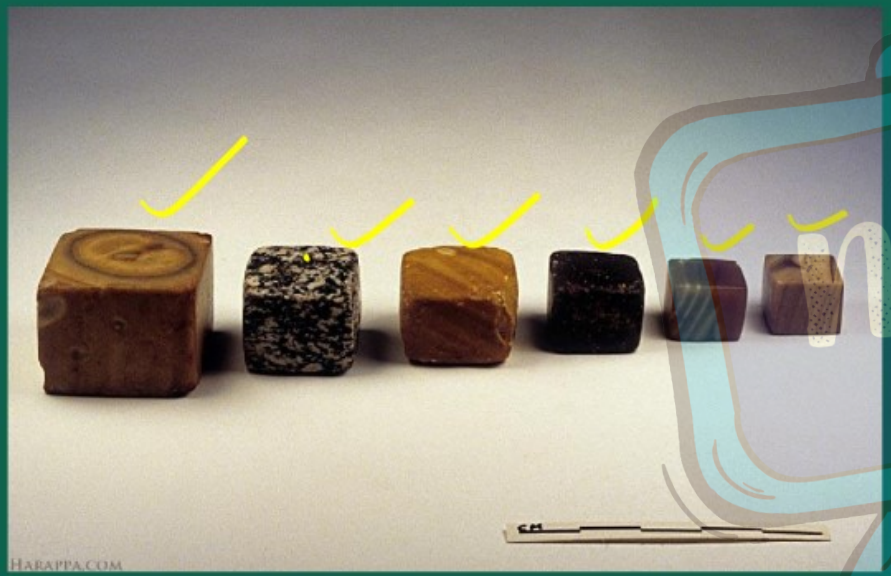

बांट :-

- विनिमय बांटों की परिशुद्ध प्रणाली से नियंत्रित थे।
- बांट चर्ट नामक पत्थर से बनाये जाते थे।
- घनाकार आकृति के होते थे।
- इन बांटों के निचले मानदंड द्विआधारी (1, 2, 4, 8, 16, 32 ... इत्यादि) थे। जबकि ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली का अनुसरण करते थे।
- छोटे बांटों का प्रयोग आभूषणों तथा मनकों को तौलने ने में किया जाता होगा।
- धातु से बने तराजू के पलड़े भी मिले हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. हड़प्पाई लोग व्यापार के लिए किस प्रकार के बांटो का इस्तेमाल किया करते थे?

- वस्तु विनिमय
- चर्ट

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

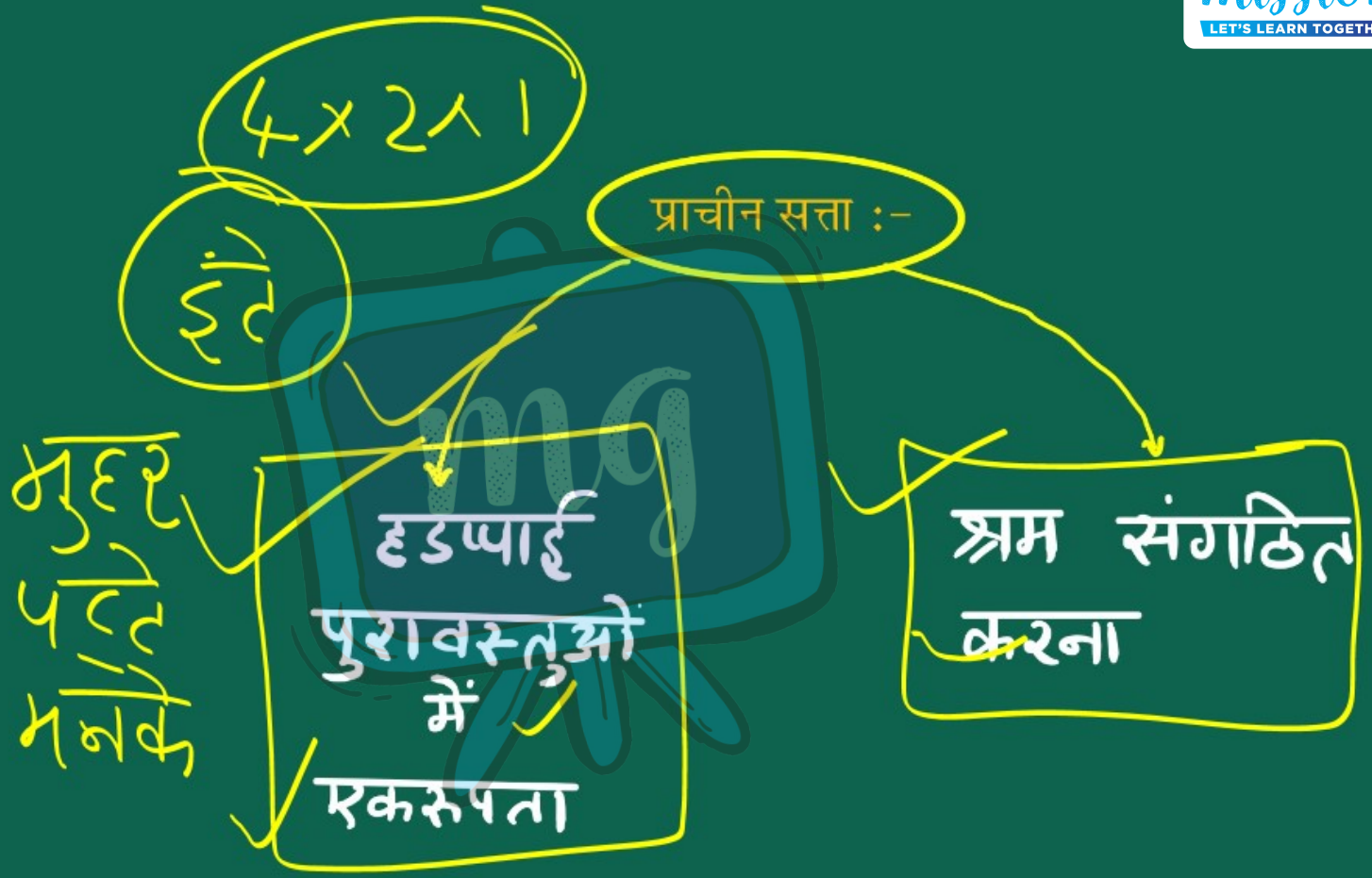

समानता → शासक वर्ग का अभाव

- कुछ पुरातत्वविद् मानते हैं कि हड़प्पाई समाज में शासक नहीं थे तथा सभी की सामाजिक स्थिति समान थी।
- दूसरे पुरातत्वविद् मानते हैं कि यहां कई शासक थे तथा मोहनजोदड़ों, हड़प्पा आदि के अलग-अलग राज्य थे।
- कुछ यह तर्क देते है कि यह पूरा एक ही राज्य था क्योंकि पुरावस्तुओं में समानताऐं, नियोजित बस्तियां, ईंटों के आकारों में निश्चित अनुपात तथा बस्तियों का कच्चे माल के स्त्रोतों के समीप होना ये निर्णय पूरे समुदाय द्वारा एक साथ लेना संभव नहीं लगता।

पुरातत्वविदों

- समान सामाजिक स्थिति
- अलग अलग राज्य
- पूर्ण एक राज्य

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. पुरातत्वविदों का हड़प्पा की राजनीतिक व्यवस्था के बारे में क्या विचार है? (प्राचीन सत्ता)

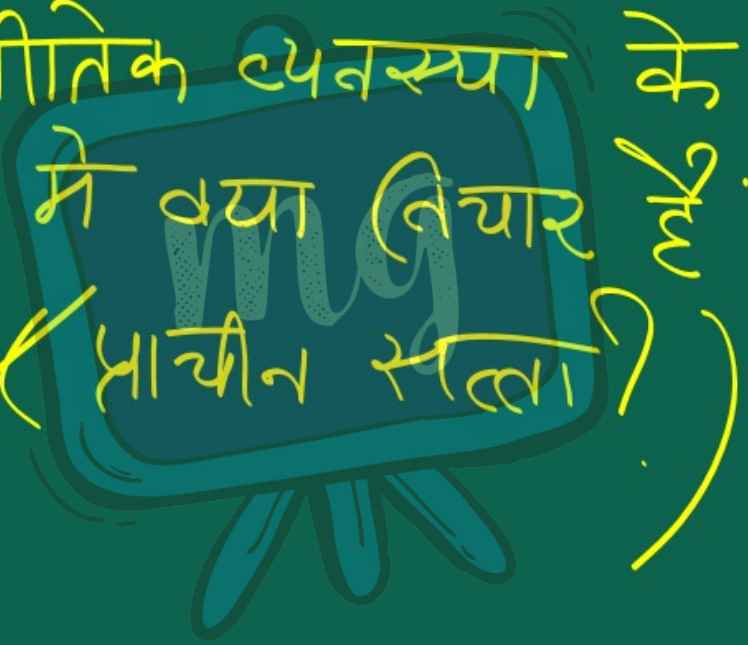

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रासाद तथा शासक :-

पुरातत्वविदो ने मोहनजोदड़ों के एक विशाल भवन को प्रासाद की संज्ञा दी किन्तु इससे संबद्ध कोई भव्य वस्तुऐं नहीं मिली हैं।

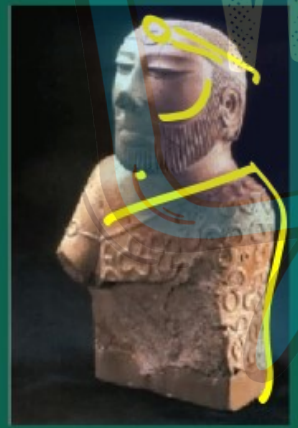

एक पत्थर की मूर्ति को 'पुरोहित राजा' की संज्ञा दी गयी थी ऐसा इसलिए क्योंकि पुरातत्वविद् मेसोपोटामिया के इतिहास तथा वहां के 'पुरोहित राजाओं' से परिचित थे और यही समानताऐं उन्होंने सिंधु क्षेत्र में भी ढूंढों।

(मेसोपोटामिया की कीलाक्षर लिपि पढ़ी जा चुकी है।)

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q हड़प्पा की सत्ता पर
एक लेख लिखें?

Q. पुरोहित राजा की
मूर्ति से हम क्या
समझ सकते हैं?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नई बस्तियों का उदय → विशिष्ट पुरावस्तुओं की समाप्ति

1800 ई.पू.

विकसित हड़प्पा स्थल त्याग

1900 ई.पू.

उत्तर हड़प्पा

अनुवर्ती संस्कृतियां

सभ्यता का अंत :-

- 1800 ई.पू. में चोलिस्तान जैसे अधिकांश विकसित हड़प्पा क्षेत्रों को त्याग दिया गया था तथा साथ ही गुजरात, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नई बस्तियों में आबादी बढ़ने लगी थी।
- 1900 ई. पू. के बाद भी अस्तित्व में रहे क्षेत्र उत्तर हड़प्पा क्षेत्र कहलाये।
- उत्तर हड़प्पा क्षेत्रों में भौतिक संस्कृति में बदलाव आया। जैसे – विशिष्ट पुरावस्तुओं (बांटों, मुहरों तथा मनकों) का समाप्त हो जाना। लम्बी दूरी का व्यापार तथा शिल्प विशेषज्ञता भी समाप्त हो गयी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

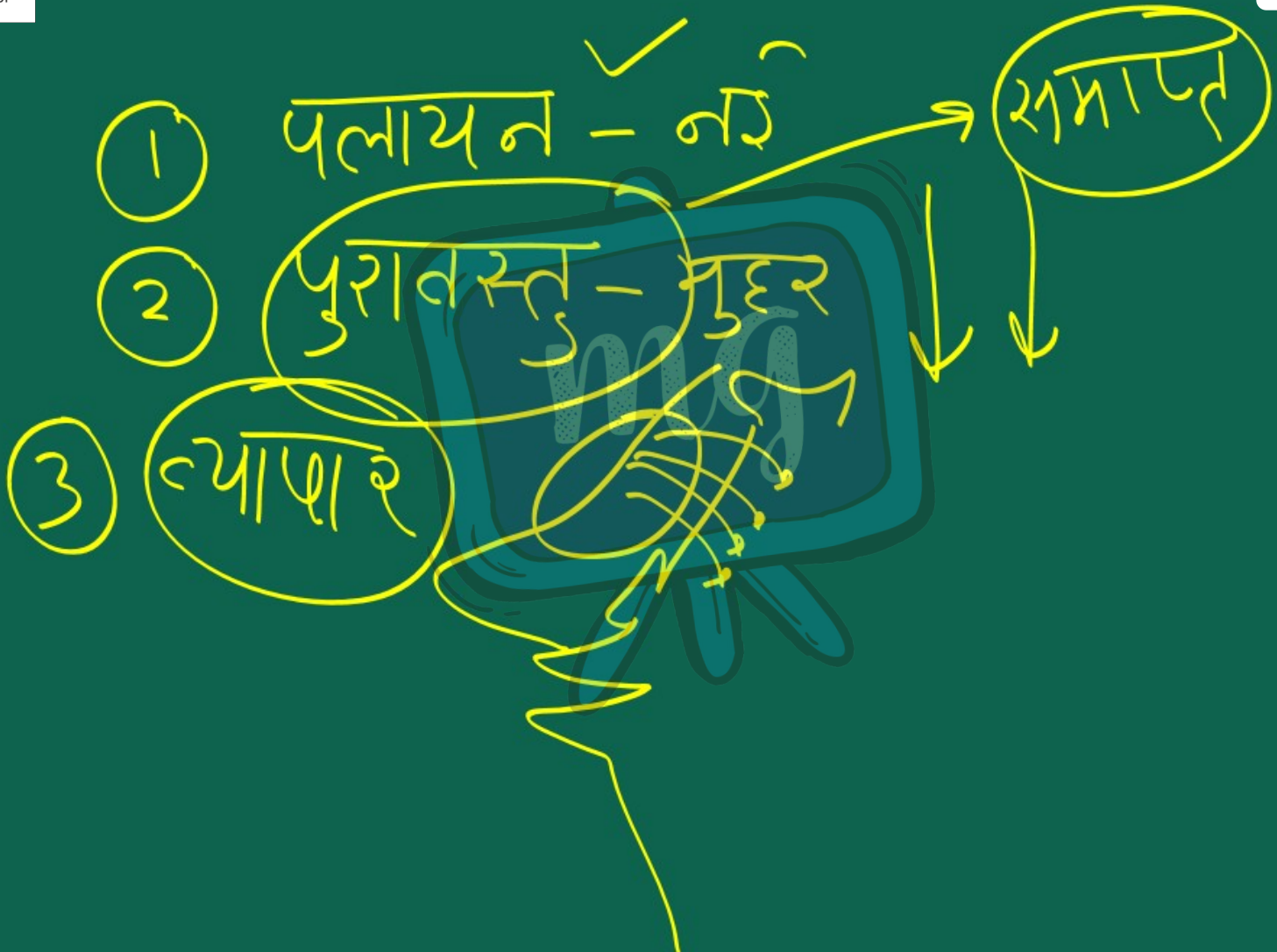

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

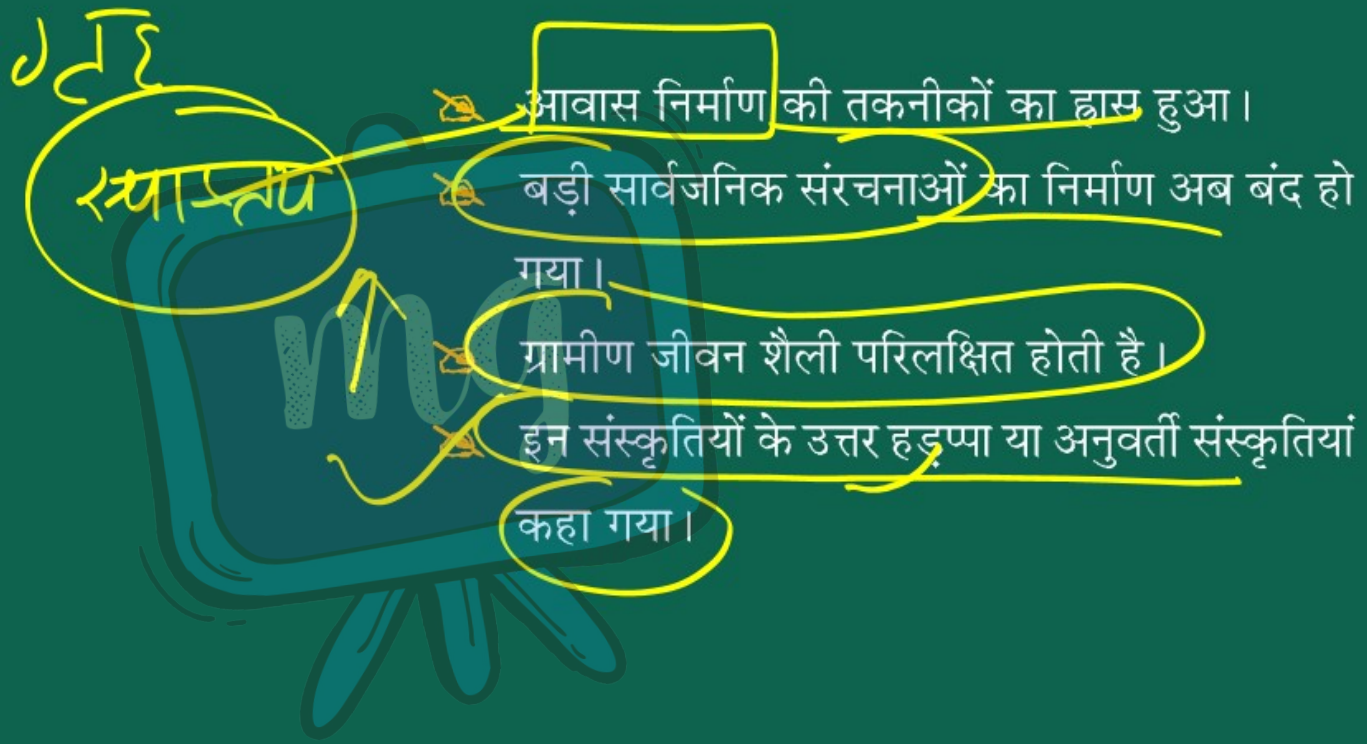

- आवास निर्माण की तकनीकों का ह्रास हुआ।
- बड़ी सार्वजनिक संरचनाओं का निर्माण अब बंद हो गया।
- ग्रामीण जीवन शैली परिलक्षित होती है।
- इन संस्कृतियों के उत्तर हड़प्पा या अनुवर्ती संस्कृतियां कहा गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. पुरातत्वविद खुदाई समय
के अंत के बारे में
क्या साक्ष्य देखते हैं ?



KOLORS®
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सभ्यता अंत ?

उत्तर

1. पलायन
2. पुरातत्त्व ↓ समाप्त
3. व्यापार ↓ → कृषि ↑ → शहरीय ↓ ग्रामीण
4. गृह → ↓

